Himachal Pradesh
Forest Department

आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
मशरूम की खेती एवं केंचुआ खाद बनाना
2024

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	अनुशी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	जय देवी
डीएमयू/वन मंडल का नाम	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित

द्वारा तैयार:-
डीएमयू सुकेत, एफटीयू जय देवी और लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पृष्ठ
परिचय	3-4
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	7
उत्पादन प्रक्रियाएं	7-8
उत्पादन योजना का विवरण	8-9
विपणन / बिक्री का विवरण	9-10
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
स्वोट अनालिसिस	10
परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण	10-15
अर्थशास्त्र का सारांश	15-16
लाभ लागत विश्लेषण	16-17
निधियों के संसाधन और निधि की आवश्यकता	17
ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	17
ऋण चुकौती अनुसूची (10% ब्याज) पर	18
टिपणी	18-19
व्यवसाय योजना केंचुआ खाद बनाना	19
परिचय	19
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	20
उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण	20
विपणन/बिक्री का विवरण	21
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	22
अर्थशास्त्र का विवरण	23-24
आर्थिक विश्लेषण	24
आर्थिक विश्लेषण के परिणाम	25
फंड की आवश्यकता	26
बैंक ऋण चुकौती	27
निगरानी तंत्र	27
परियोजना की कुल लागत	28
अनुलग्न	29-30

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

अनुशी वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " लक्ष्मी " स्वयं सहायता समुह, मशरूम की खेती एवं केंचुआ खाद बनाना से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने मशरूम का उत्पादन करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ, कार्यालय वनमंडल सुकेत, विनिता कुमारी

फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर जय देवी परिक्षेत्र, अवनीश वन रक्षक, कमान्द बीट और राम लाल, वनखंड अधिकारी, वन खंड रोहांडा, चमन सिंह, वन परिक्षेत्र अधिकारी जय देवी शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

अनुशी वन ग्रामीण विकास समिति:-

अनुशी ग्रामीण वन विकास समिति अनुशी राजस्व मुहल का हिस्सा है और ग्राम पंचायत पौड़ाकोठी में ग्रामीण वन विकास समिति का गठन किया गया है । यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के सुंदर नगर ब्लॉक में स्थित है और 1695 मीटर पर 31°26'07"N अक्षांश- 76°58'26"E देशांतर के बीच स्थित है। अनुशी ग्रामीण वन विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के जय देवी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत रोहांडा ब्लॉक के कमान्द बीट के अंतर्गत आता है।

ग्रामीण वन विकास समिति की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

अनुशी ग्रामीण वन विकास समिति अच्छी गुणवता के खोआ और पनीर के लिए जाना जाता है।

परिवारों की संख्या	94
बीपीएल परिवार	11 =11.71%
कुल जनसंख्या	426
कुल मवेशी	460

स्वयं सहायता समुह का विवरण

लक्ष्मी स्वयं सहायता समुह का गठन जनवरी 2024 में अनुशी वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

लक्ष्मी स्वयं सहायता समुह (नौ महिलाए) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मशरूम की खेती एवं केंचुआ खाद बनाने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 09 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	शालू	प्रधान	Sc	24	+2	83684 57910
2.	रोहिणी	सचिव	〃	37	10th	94593 06145
3.	रमा देवी	कोषाध्यक्ष	〃	28	+2	94593 05306
4.	सुमित्रा	सदस्य	〃	36	5th	88642 95422
5.	लता भारद्वाज	〃	〃	53	+2	98163 70706
6.	प्रेम लता	〃	〃	69	10th	98057 56512
7.	मीरा देवी	〃	〃	43	10th	89884 65058
8.	नारकली	〃	〃	31	+2	94597 74528
9.	नर्वदा	〃	〃	44	5th	94189 01605
10.						
11.						
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						

शालू (अध्यक्ष)

रोहिणी (सचिव)

रमा देवी (कोषाध्यक्ष)

प्रेम लता (सदस्य)

सुमित्रा (सदस्य)

लता भारद्वाज (सदस्य)

मीरा देवी (सदस्य)

नारकली (सदस्य)

नर्वदा (सदस्य)

लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह अनुशी

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	लक्ष्मी
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	अनुशी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	जय देवी
डीएमयू/वन मंडल का नाम	::	सुकेत
गांव	::	अनुशी
खंड	::	सुंदर नगर
ज़िला	::	मंडी
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	09
गठन की तिथि	::	जनवरी 2024
बैंक का नाम और विवरण	::	HP Gramnin Bank Rohanda

बैंक खाता संख्या	::	87311300000979
एसएचजी/मासिक बचत	::	900/-
कुल बचत	::	1800/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूरी	:	85 किमी
मुख्य मार्ग से दूरी	: :	10 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	सुंदर नगर 60 किमी, निहरी 17 किमी, रोहांडा 57 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	सुंदर नगर 60 किमी, निहरी 17 किमी, रोहांडा 57 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सुंदरनगर, निहरी, रोहांडा
पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) कंपोस्ट बैग स्पैन (बागवानी विभाग) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	समूह नियंत्रित वातावरण में बटन मशरूम और ढींगरी के उत्पादन में शामिल होगा
उत्पाद पहचान की विधि	::	यद्यपि पूरे समूह के सदस्य मौसमी सब्जियों की फसल उगाते हैं। क्यूंकि उनकी भूमि जोत बहुत छोटी है, उत्पादन संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मशरूम की खेती एवं आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन से उनकी आय में वृद्धि होगी। इसके अलावा वे आमतौर पर अपनी सब्जी की फसल सुंदर नगर बाज़ार में बेचने जाते हैं। बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। उन्हें मशरूम के विपणन के लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन प्रक्रियाएं

केवीके सुंदरनगर में जाईका परियोजना द्वारा मशरूम की खेती के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। स्पॉट प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाती है।

समूह ने शुरू में ढींगरी मशरूम उत्पादन के साथ काम शुरू करने का फैसला किया, क्योंकि फरवरी के दौरान प्रशिक्षण पूरा हो चुका है और मार्च के अप्रैल / मई, जून जुलाई के बाद के महीने इस मशरूम की खेती के लिए अधिक उपयुक्त हैं। 250 कम्पोस्ट स्पॉन एडेड बैग खरीदकर किराए/किराए के कमरे में लगाए जाएंगे।

श्री टियर वुडन/बांस रैक फिटिंग, साथ में दो एग्जॉस्ट फैन एक ताजी हवा के लिए और दूसरा नीचे की तरफ भीतरी हवा को बाहर निकालने के लिए लगाया जाएगा। एक सीलिंग फैन कमरे के तापमान को कम करने के लिए और दूसरा (हीट ब्लोअर) कमरे के तापमान को बढ़ाने के लिए, आवश्यक कमरे के तापमान को बनाए रखने के लिए हॉल में एक सूखा और गीला थर्मामीटर लगाया जाएगा। बैग लोड करने से पहले कमरे को फॉर्मेलिन (5 मिली/लीटर) से दो से तीन बार धोया और साफ किया जाएगा। बटन मशरूम की दो फसलों और ढींगरी की दो फसलों (प्रत्येक के लिए 70 से 75 दिन चक्र) के साथ व्यवसाय योजना। (अगस्त से फरवरी बटन मशरूम के लिए और ढींगरी के लिए मार्च से जुलाई सबसे अच्छे महीने हैं) समूह के साथ विचार-विमर्श व सहभागिता के बाद तैयार किया गया है। समूह के सदस्य रोजाना 1 घंटे, सुबह आधा घंटा और शाम को आधा घंटा काम करेंगे।

उत्पादन योजना का विवरण:

उत्पादन चक्र (75 दिन)	::	मंडी जिले में बटन मशरूम की खेती सितंबर से मार्च तक की जा सकती है। कम्पोस्ट बैग में स्पॉन डालने के बाद मशरूम को पिनअप हेड आने में 30 से 40 दिन का समय लगता है। उसके बाद तीन फ्लश लिया जा सकता है। मशरूम की फसल के तीन फ्लश लेने के लिए कुल 75 दिनों की आवश्यकता होती है। एक फसल का उत्पादन चक्र 75 दिनों का होगा। एक वर्ष में फसल के चार चक्र नीचे दिए गए विवरण के अनुसार दोहराए जाएंगे:- ढिंगरी मशरूम की पहली फसल (फरवरी से अप्रैल तक = 75 दिनों के लिए) ढिंगरी मशरूम की दूसरी फसल (मई से जुलाई के अंत तक)। बटन मशरूम की तीसरी फसल (सितम्बर से नवंबर तक = 75 दिनों के लिए बटन मशरूम की चोथी फसल (नवंबर से जनवरी = 75 दिनों के लिए
जनशक्ति की आवश्यकता (संख्या)	::	प्रारंभ में पूरा समूह रैक लगाने/निर्माण करने, कमरे को साफ करने और कम्पोस्ट बैग को सड़क से उत्पादन स्थलों तक ले जाने के लिए मिलकर काम करेगा। इसके बाद पहले 30 दिनों के लिए 2 व्यक्ति 1 घंटे (1/2 घंटे सुबह और 1/2 घंटे शाम) के लिए बारी बारी से सफाई, नमी, तापमान विनियमन आदि के लिए काम करेंगे। अगले 31 से 75 दिनों के लिए 4 व्यक्ति 3 घंटे कटाई, मिट्टी की, पिंजरा, सफाई, तोल और पैकिंग के लिए। विपणन के घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि सदस्यों में से एक नियमित रूप से बाजार में सब्जियों के साथ मशरूम बेचेगा। कम्पोस्ट बनाने वाले 4 व्यक्ति 2 दिन 2 घंटे काम करेंगे। श्रम कार्य कुल 706 घंटे का होगा, यदि हम इसे 8 (घंटों) से विभाजित करें तो यह 88 दिन हो जाएगा और इसे 300 रुपये / दिन की मजदूरी दर से गुणा करने पर श्रम की लागत 26400 रुपये निकलती है।
कच्चे माल का स्रोत	::	उद्यान विभाग, पालमपुर एवं सोलन जिला हिमाचल प्रदेश के। आमतौर पर सभी सामग्री सुंदरनगर केवीके में उपलब्ध होती

		है।
अन्य का स्रोत साधन।	::	-उपरोक्त-
(i) बटन मशरूम के लिए आवश्यक मात्रा (75 दिन) (ii) ढींगरी के एक चक्र के लिए आवश्यक मात्रा यानी 75 दिन	::	250 कम्पोस्ट स्पॉन बैग, फॉर्मेलिन, 200 मिली, बाविस्टिन 100 ग्राम, पैकिंग सामग्री (पॉलीथीन स्लीव्स) 3 किग्रा। ढींगरी के लिए स्पॉन: 25 किलो, गेहूं या अन्य फसल का भूसा: 500 किलो, फॉर्मलाइन: 2 लीटर, बाविसिटन: 100 ग्राम, पॉलीशीट: 1 ढींगरी खाद के लिए 300 पारदर्शी पॉलीथीन बैग, पॉलीथीन आस्तीन 5 किलो (नए के लिए 3 किलो और फटे बैग के प्रतिस्थापन के लिए 2 किलो)
75 दिनों में अपेक्षित उत्पादन	::	**ढींगरी** :- कम्पोस्ट की एक बोरी से ढींगरी का औसत उत्पादन लगभग 1.6 किलोग्राम है। 250 बैग के लिए उपज 400 किलोग्राम ढींगरी होगी **बटन मशरूम** :- एक बैग से मशरूम का औसत उत्पादन 2.0 किग्रा /1 बैग = 2.0 किग्रा . है 0बैग x 2.0 किग्रा.= 500 किग्रा **.**

विपणन / बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	सुंदरनगर, निहरी, रोहांडा
इकाई से दूरी	::	सुंदर नगर 60 किमी, निहरी 17 किमी, रोहांडा 57 किमी लगभग
बाजार में उत्पाद की मांग		मशरूम की मांग साल भर रहती है।
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	सुंदरनगर कस्बे में सब्जी बेचने का बाजार सुस्थापित है ।
बाजार पर मौसम का प्रभाव।	::	मशरूम सभी मौसमों में स्वादिष्ट होते हैं और पूरे वर्ष उच्च मांग में रहते हैं। हालांकि, गर्मियों और शादी समारोहों के दौरान मांग अधिक बढ़ जाती है।
उत्पाद के संभावित खरीदार।	::	संभावित बाजार खरीदार अस्पताल, होटल, छात्रावास, दुकानें, स्थानीय निवासी / विवाह और अन्य औपचारिक अवसर आदि हैं।

क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता।	::	सभी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक / परिवार।
उत्पाद का विपणन तंत्र।	::	बाजार में मांग के आधार पर मशरूम की दैनिक आपूर्ति और समूह स्थानीय सब्जियों के साथ-साथ लेदा और सुंदर नगर बाजार के खुले बाजार में भी इन्हें बेचेंगे ।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति।	::	प्रारंभ में समूह सुंदरनगर शहर के सभी सब्जी खुदरा विक्रेताओं से संपर्क करेगा, उसके बाद उत्पादन में वृद्धि पर, मंडी बाजार के खुदरा विक्रेताओं से भी अपने उत्पाद को शुद्ध दर या कमीशन के आधार पर बेचने के लिए संपर्क किया जाएगा।
उत्पाद ब्रांडिंग।	::	" अनुशी ताजा मशरूम"।
उत्पाद नारा	::	**"मशरूम खाओ सेहत बनाओ।"**

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेने के बाद स्वयम को दैनिक काम के संचालन, विपणन और विभाग तथा ग्रामीण वन विकास समिति के साथ जुड़ाव रखते हुए आपस मे श्रम विभाजन करेंगे।

SWOT विश्लेषण

विवरण / आइटम	**:**	**विवरण**
ताकत	::	समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, स्थानीय और सामाजिक वातावरण के अनुकूल होते हैं। उत्पादन लागत कम है, उत्पाद उच्च गुणवत्ता और मांग का है, बढ़ते चक्र कम हैं, उत्पादन पूरे वर्ष होगा। बागवानी विभाग के पास पालमपुर और सोलन में रेडीमेड कम्पोस्ट बैग उपलब्ध हैं। एसएचजी वित्तीय सहायता के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा प्रशिक्षण और एक्सपोजर का आयोजन किया जाएगा।
दुर्बलता	::	नया स्वयं सहायता समूह, मशरूम उत्पादन/खेती में अनुभव की कमी।
मौका	::	डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा।
खतरा	::	समूह में आंतरिक झगड़े, पारदर्शिता की कमी और बड़े खतरे वहन क्षमता की कमी

परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण ।

पहला चक्र:

परियोजना की लागत	**राशि रु में**
पूंजी लागत	
तीन टायर लकड़ी/बांस रैक फिटिंग का निर्माण	15,000

सीलिंग फैन(1 नहीं)	2500
निकास पंखे (2)	3000
रूम हीट/ब्लोअर/	1500
सूखा और गीला थर्मामीटर (1सेट)	1000
इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन (1no)	900
गर्म प्लास्टिक की छत की छड़ (1no)	800
हल्का स्प्रे पंप (1no)	1800
धारदार चाकू का सेट नं (1सेट)	75
कैंची, (2 न)	400
ट्रे/बास्केट (6 न)	600
फल टोकरा (4 न)।	2400
पानी की टंकियां 1000 लीटर 1 नंबर किराये सहित	8000
पानी और बिजली फिटिंग सामग्री और शुल्क	4000
सुखाने की मशीन (Drier)	16000
पीशने की मशीन (Grinder)	10000
विविध व्यय	3000
कुल पूंजी लागत	**70975**
पहले चक्र की आवर्ती लागत (75 दिन)	
किराए के कमरे की लागत 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) @ रु। 1000/माह। (3माह) =	3,000
फॉर्मेलिन	600
श्रम मजदूरी 88 दिन=(@Rs 300/दिन)= रु 26400	26400
ढींगरी कम्पोस्ट बैग 250 न @ 40 रुपये प्रति बैग और अन्य कची सामग्री किराए सहित	10000
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	3000
किराया	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	3000
विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	1500
एक चक्र की आवर्ती लागत=B1+B2+B3+B4+B5+B6+B7+B8	**48500**
कुल परियोजना लागत (ए+बी)=70975+ 48500=119475	**119475**

लागत लाभ विश्लेषण प्रथम चक्र:-

विशेष	**इकाई**	**मात्रा/नहीं**	**भाव**	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%	महीना	3	10%	**1750**
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई)	महीना	3	1000	3,000

@ रु.1000/माह। (3माह)				
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	नहीं	2 बोतल	300	600
श्रम मजदूरी 88 दिन =(@ रु 300/दिन) = रु 26400	दिन	88	300	26400
ढींगरी खाद बैग 250 नहीं @ रु। 40 प्रति बैग और गाड़ी सहित अन्य कच्चा माल	नहीं	250	40	10000
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	5	600	3000
यातायात भुगतान	-	-	-	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		एल/एस	-	1500
कुल				**48500**

कुल उत्पादन किग्रा.	ढिंगरी खाद	400 किग्रा 500 किग्रा
किलो में उत्पादन की बिक्री।	ढींगरी 400 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 500 किग्रा @ 5	60000 2500
	कुल	**62500**
कुल लाभ	62500- (1750+48500)	12250
सकल लाभ	कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया 12250+(26400+3000)=	41650
लाभ आरक्षित की जाने वाली शुद्ध राशि की दूसरी और तीसरी किस्त लौटाने के लिए राशी		14494
प्रथम चक्र में सदस्यों के बीच लाभ का वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री -(प्रधान राशि + ब्याज + दूसरी और तीसरी किस्तकी आवर्ती लागत) 62500- (18563 + 1437 + 48500 + 14494)		**-20494**

नोट :- 14494 रु. की दूसरी और तीसरी किस्त के भुगतान हेतु आरक्षित रखा जायेगा ।

लागत लाभ विश्लेषण दूसरा चक्र

सीनियर नहीं	**विशेष**	**इकाई**	**मात्रा/न**	**भाव**	**राशि (रु.)**
ए	**पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%**	महीना	3	10%	**1750**
बी	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) @1000 रुपये/माह।(3 महीने)=	महीना	3	1000	3,000

2.	प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन	न	2 बोतल	300	600
3.	श्रम मजदूरी 88 दिन =(@ रु 300/दिन) = रु 26400	दिन	88	300	26400
4.	ढींगरी खाद बैग 250 नहीं @ रु। 40 प्रति बैग और किराए सहित अन्य कच्चा माल	न	250	40	10000
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	5	600	3000
6.	यातायात भुगतान	-	-	-	1000
7.	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
	कुल				**47000**

9.	कुल उत्पादन किग्रा.	ढींगरी मशरूम खाद	400 किलो 500 किलो
10.	किलो में उत्पादन की बिक्री।	ढींगरी 400 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 500 किग्रा @ 5	60000 2500
		कुल	**62500**
1 1।	**कुल लाभ**	**62500 - (1750+47000)**	**19750**
12.	**सकल लाभ**	**कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया** **13750 +(26400+3000) =**	**43150**
13.	**दूसरे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री - (मूल राशि + ब्याज + अगले चक्र के लिए आवर्ती लागत)** **=62500-(19032 + 968 +57300)**		**(-)14800**

लागत लाभ विश्लेषण तीसरा चक्र

विशेष	**इकाई**	**मात्रा/नहीं**	**भाव**	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास	महीना	3	10%	**1750**
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की लागत 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) @ रु 1000/माह। (तीन माह)	महीना	3	1000	3,000
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	नहीं	2 बोतल	300	600
श्रम मजदूरी 88 दिन =(@ रु 300/दिन) = रु 24200	दिन	88	300	26400
बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 नं @ 90 रुपये प्रति बैग और अन्य कच्चा माल जिसमें गाड़ी भी शामिल है	नहीं	250	90	22,500
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
यातायात भुगतान	-	-	-	1000

बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
कुल				**58000**
कुल उत्पादन किग्रा.	बटन मशरूम खाद			**500 किग्रा** **750 किग्रा**
किलो में उत्पादन की बिक्री।	**500 किलो @ 150 रुपये** कम्पोस्ट **750 किग्रा @ रु 10**			75000 7500
	कुल			**82500**
कुल लाभ	**82500 -(1750+58000)**			**22750**
सकल लाभ	**कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया** **22750+ (26400+3000) =**			**52150**
तीसरे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री - (मूल राशि + ब्याज + आवर्ती लागत) **82500-(19405 + 489 + 58000)**				**4606**

लागत लाभ विश्लेषण चौथे चक्र

विशेष	**इकाई**	**मात्रा/नहीं**	**भाव**	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास	महीना	3	10%	**1750**
3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
किराए के कमरे की कीमत 1 हॉल (मशरूम उगाने की इकाई) @ रु.1000/माह। (3माह)	महीना	3	1000	3,000
प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	नहीं	2 बोतल	300	600
श्रम मजदूरी 88 दिन =(@ रु 300/दिन) = रु.26400	दिन	88	300	26400
बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 नं @ 90 रुपये प्रति बैग और गाड़ी सहित अन्य कच्चा माल	नहीं	250	90	22,500
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
यातायात भुगतान	-	-	-	1000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
कुल				**58000**
कुल उत्पादन किग्रा.	बटन मशरुम खाद			500 किलो 750 किग्रा
किलो में उत्पादन की बिक्री।	500 किलो @ 150 रुपये कम्पोस्ट 750 किग्रा @ रु 10			75000 7500
	कुल			**82500**
कुल लाभ	82500 - (1750+58000)			22750

सकल लाभ	कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया 22750 +(26400 + 3000)=	52150
चौथे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ के वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री- (मूल राशि + ब्याज + आवर्ती लागत) **82500 -(0+0+58000)**		**24500**

आय		
प्रत्यक्ष आय		
(i) पहला चक्र	ढींगरी मशरूम	(-)20494
(ii) दूसरा चक्र	ढींगरी मशरूम	(-)14800
(iii) तीसरा चक्र	बटन मशरुम	4606
(iv) चौथा चक्र	बटन मशरुम	24500
	कुल प्रत्यक्ष आय	**-6188**
अप्रत्यक्ष आय		
श्रम मजदूरी		
(i) पहला चक्र		26400
(ii) दूसरा चक्र		26400
(iii) तीसरा चक्र		26400
(iv) चौथा चक्र		26400
	कुल	**105600**
कमरे का किराया		
(i) पहला चक्र		3000
(ii) दूसरा चक्र		3000
(iii) तीसरा चक्र		3000
(iv) चौथा चक्र		3000
	कुल	**12000**
कुल अप्रत्यक्ष आय		**117600**
कुल आमदनी		**111412**

अर्थशास्त्र का सारांश

चारों चक्रों में उत्पादन की लागत

विशेष	**राशि रुपये में**
कुल आवर्ती लागत **(i) पहला चक्र**	

ढींगरी मशरूम	48500
(ii) दूसरा चक्र	
ढींगरी मशरूम	47000
(iii) तीसरा चक्र	
बटन मशरुम	58000
(iv) चौथा चक्र	
बटन मशरुम	58000
कुल	**211500**
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास मूल्य (वार्षिक)।	7000
ऋण पर 10% ब्याज	2894
कुल	**221394**

उत्पादन लागत का सार

विवरण	**राशि (रु.)**
आवर्ती लागत	**211500**
पूंजी पर 10% मूल्यह्रास मूल्य लागत	7000
ऋण पर 10% ब्याज	2894
कुल	**221394**

बिक्री मूल्य का आकलन

विवरण	**इकाई**	**राशि (रु.)**
आवर्ती लागत (221394/1800)	किलोग्राम	122
निश्चित लाभ 23%	किलोग्राम	28
कुल		**150**
बाजार कीमत	**किलोग्राम**	**150**

लाभ लागत विश्लेषण (वार्षिक)

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास (ए)	**7000**
आवर्ती लागत (बी)	
कमरे का किराया	12000
श्रम	105600
कम्पोस्ट बैग की कीमत	65000
फॉर्मेलिन	2400
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	9000
यातायात भुगतान	4000
बिजली और पानी का उपयोग	12000
विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	1500
कुल	**211500**
ढींगरी और बटन मशरूम का कुल उत्पादन	1800 किग्रा

ढींगरी और बटन मशरूम की बिक्री मूल्य	270000
खाद का बिक्री मूल्य	20000
कुल	**290000**
कुल लाभ = बिक्री मूल्य- (पूंजीगत लागत + आवर्ती लागत) =290000- (70975+211500)	7525
सकल लाभ = कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरा किराया =7525+105600+12000	125125
चार चक्र के बाद समूह के सदस्यों के बीच लाभ का वितरण = कुल लाभ - (मूल राशि + ब्याज + पांचवें चक्र के लिए आवर्ती लागत) =7525-(0+0+48500)	-40925

नोट:- इस राशि में लेबर वेज और रूम रेंट शामिल नहीं है।

उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि प्रत्येक सदस्य को 75 दिनों के चार चक्र पूरे करने के बाद कोई अतिरिक्त आय नहीं मिलेगी। 48500 का समग्र लाभ निवेशित पांचवें चक्र स्टैंड की आवर्ती लागत के रूप में है।

निधियों के संसाधन और निधि की आवश्यकता

संसाधनों का विवरण	**राशि रुपये में**
70975 की पूंजीगत लागत पर परियोजना का हिस्सा (50%)	35490
अब तक का मासिक योगदान	26985
बैंक से ऋण	57000
कुल	**119475**

एक लाख रूपए की राशि स्वयं सहायता समूह को बैंक से ऋण लेने के लिए परिक्रामी निधि के रूप में प्रदान की जाएगी।

पूंजीगत लागत का 50% हिस्सा परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

ऋण का 5% ब्याज परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

ब्रेक ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

ब्रेक ब्रेक-ईवन पॉइंट **=** पूंजीगत लागत/बिक्री/किग्रा.-आवर्ती लागत/किग्रा।

=70975/150 -122

=70975/28=2834किग्रा

2534 किलो ढींगरी और बटन मशरूम की बिक्री के बाद नौ महीने के बाद ब्रेक ईवन प्वाइंट हासिल किया जा सकता है।

ऋण चुकौती अनुसूची (10% ब्याज) पर

S.no	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	ऋण शेष		
		मूल राशि	रुचि	कुल		मूल राशि	रुचि	कुल
	महीना-1	0	0	0	0	57000	475	57475
2	महीना-2	0	0	0	0	57475	479	57954
3	महीना-3	0	0		0	57954	483	58437
4	महीना-4	18563	1437	20000	20000	38437	320	38757
5	महीना-5	0	0	0	0	38757	322	39057
6	माह-6	0	0	0	0	39057	326	39383
7	महीना-7	19032	968	20000	20000	19405	162	19567
8	महीना-8	0	0	0	0	19567	163	19730
9	महीना-9	0	0	0	0	19730	164	19894
10	महीना-10	19405	489	19894	19894	0	0	0
1 1	**कुल**	**57000**	**2894**	**59894**	**59894**		**2894**	

टिपणी:

समूह का आगामी दृष्टिकोण अचार, रेडीमेड सूप, सूखे मशरूम आदि के रूप में मूल्य संवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है।

आपकी त्वचा, मस्तिष्क और हड्डियों के लिए आश्चर्यजनक मशरूम स्वास्थ्य लाभ

"उनमें सेलेनियम, पोटेशियम, तांबा, लोहा और फास्फोरस जैसे कई खनिज होते हैं जो अक्सर पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों में नहीं पाए जाते हैं।"

1. मशरूम आपको युवा बनाए रखने में मदद करता है।
2. उम्र बढ़ने के साथ मशरूम आपके दिमाग की रक्षा करता है।
3. मशरूम आपकी याददाश्त को बढ़ा सकता है।
4. मशरूम आपके दिल के स्वास्थ्य में मदद कर सकता है।
5. मशरूम आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।
6. मशरूम आपको ऊर्जा देने में मदद करेगा।
7. मशरूम कई बीमारियों खासकर कैंसर से लड़ने में मदद करता है ।

मशरूम की स्वादिष्टता विशेष व्यंजन, स्वादिष्ट, स्वस्थ और किफायती है।

टिपणी:
समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया, कि एक व्यापार योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए , अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यापार योजना
आय सृजन गतिविधि- केंचुआ खाद बनाना
द्वारा
लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह

परिचय

सरल उत्पादन तकनीकों, पारिस्थितिक, आर्थिक और इससे जुड़े मानव स्वास्थ्य लाभों के कारण केंचुआ खाद बनाना देश में एक मजबूत मुकाम हासिल कर रहा है। विशेष रूप से देश के दक्षिणी और मध्य भागों में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के तकनीकी मार्गदर्शन के तहत, उद्यमियों द्वारा सरकार के समर्थन के तहत, वर्मीकम्पोस्टिंग इकाइयों की एक महत्वपूर्ण संख्या स्थापित की गई है।

वर्मीकम्पोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह स्थायी कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कई गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), ट्रस्ट आदि हैं जो अपने स्थापित आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के कारण वर्मीकंपोस्टिंग प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

कृमि खाद

केंचुओं को पालने/उपयोग करके कम्पोस्ट का उत्पादन वर्मी कम्पोस्टिंग तकनीक कहलाता है। इस तकनीक के तहत, केंचुए बायोमास खाते हैं और इसे पचे हुए रूप में उत्सर्जित करते हैं जिसे वर्मीकम्पोस्टिंग या वर्मीकम्पोस्ट के रूप में जाना जाता है । यह छोटे और बड़े पैमाने के किसानों दोनों के लिए खाद के उत्पादन के लिए सबसे सरल और लागत प्रभावी तरीकों में से एक है। वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन इकाई किसी भी ऐसी भूमि में स्थापित की जा सकती है जो किसी भी आर्थिक उपयोग के अधीन नहीं है बल्कि छायादार और पानी के ठहराव से मुक्त है। स्थान भी जल संसाधन के निकट होना चाहिए
वर्मीकम्पोस्टिंग, जिसे सही मायने में "कचरा रूपी सोना" कहा जाता है, जैविक कृषि उत्पादन में प्रमुख इनपुट है। सरल तकनीक के कारण, कई किसान वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन में लगे हुए हैं क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य को मजबूत करता है, मिट्टी की उत्पादकता खेती की लागत को कम करती है। पोषक तत्वों की उच्च मात्रा के कारण वर्मीकम्पोस्ट की मांग में धीरे-धीरे

वृद्धि हो रही है।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	:	केंचुआ खाद
उत्पाद पहचान की विधि	:	यह गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	:	हाँ

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

चरण		विवरण
चरण -1	::	प्रसंस्करण जिसमें घास फूस का संग्रह, और जैविक कचरे का भंडारण शामिल है।
चरण-2	::	जैविक कचरे का बीस दिनों के लिए पशुओं के गोबर के घोल के साथ सामग्री को ढेर करके पूर्व पाचन। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से सामग्री को पचाती है और केंचुआ खपत के लिए उपयुक्त है। मवेशियों के गोबर और बायोगैस के घोल को सुखाने के बाद इस्तेमाल किया जा सकता है। गीले गोबर का उपयोग वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के लिए नहीं करना चाहिए।
चरण-3	::	केंचुआ क्यारी तैयार करना। वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिए कचरे को डालने के लिए एक ठोस आधार की आवश्यकता होती है। ढीली मिट्टी कीड़े को मिट्टी में जाने देगी और पानी देते समय, सभी घुलनशील पोषक तत्व पानी के साथ मिट्टी में चले जाते हैं।
चरण-4	::	वर्मी-कम्पोस्ट संग्रह के बाद केंचुओं का संग्रह। पूरी तरह से कंपोस्ट की गई सामग्री को अलग करने के लिए कंपोस्ट की गई सामग्री को छान लें। आंशिक रूप से कम्पोस्ट की गई सामग्री को फिर से वर्मी कम्पोस्ट बेड में डाल दिया जाएगा।
चरण-5	::	नमी बनाए रखने और लाभकारी सूक्ष्मजीवों को बढ़ने देने के लिए वर्मी-कम्पोस्ट को उचित स्थान पर संग्रहित करना।
चरण-6		10X4X2.5 का ईंटों का पका गड्ढा बनाया जाएगा और उसे पानी से बचाने के लिए छप्पर का प्रावधान होगा

उत्पादन योजना का विवरण

उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (वर्ष में तीन चक्र)
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	1
कच्चे माल का स्रोत	::	घर और अपने खेतों से
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	मुक्त बाज़ार
कच्चा माल - आवश्यक मात्रा प्रति चक्र (किलो) प्रति सदस्य	::	1800 किलो प्रति चक्र
प्रति सदस्य प्रति चक्र (किलो) अपेक्षित उत्पादन	::	900 किलोग्राम प्रति चक्र

विपणन/बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	हिमाचल प्रदेश वन विभाग स्थानिय बाज़ार अपने खेत पर प्रयोग करने के लिए
इकाई से दूरी	::	
बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	HOFF (वन विभाग) उनकी नर्सरी के लिए प्रचुर मात्र में वर्मी -कम्पोस्ट खरीद रहा है
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	पीएमयू हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह द्वारा उत्पादित वर्मी -कम्पोस्ट की खरीद की सुविधा प्रदान करेगा।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प तलाशेंगे।
उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

स्वोट अनालिसिस

❖ **ताकत**

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- एसएचजी के प्रत्येक सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 तक के मवेशी हैं
- एसएचजी सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य वाली फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं जो पूरे वर्ष कच्चे माल यानी कृषि जैविक कचरे की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करते हैं।
- उनके खेतों में आसानी से उपलब्ध कच्चा माल
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- उत्पाद आत्म-जीवन लंबा है

❖ **कमज़ोरी**

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- तकनीकी जानकारी का अभाव

❖ **अवसर**

- जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की बढ़ती मांग
- वर्मी -कम्पोस्ट का अपने खेत में प्रयोग करने से मृदा स्वास्थ्य में सुधार और वृद्धि तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद का

उत्पादन होगा जो बेहतर मूल्य प्रदान करेगा।

- रसोई घर से बाहर रह गए घरेलू कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
- एचपी फॉरेस्ट के साथ मार्केटिंग गठजोड़ की संभावना

❖ **धमकी/जोखिम**

- अत्यधिक मौसम के कारण उत्पादन चक्र के टूटने की संभावना
- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

- उत्पादन - कच्चे माल की खरीद सहित व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा इसका ध्यान रखा जाएगा
- गुणवत्ता आश्वासन - सामूहिक रूप से
- सफाई और पैकेजिंग - सामूहिक रूप से
- मार्केटिंग - सामूहिक रूप से
- इकाई की निगरानी - सामूहिक रूप से

अर्थशास्त्र का विवरण

(राशि वास्तविक रु . में)

S. No	Particulars	Units	Quantity / Nos.	Cost (Rs.)	Year 1	Year 2	Year 3	Year 4	Year 5
ए।	**पूंजी लागत**								
ए.1	गड्ढे और शेड का वृद्धि								
1	वृद्धि के साथ-साथ श्रम लागत (गड्ढे का आकार आंतरिक 10ftX4ftX2ft का होगा)	Per member	9	6000	54000	0	0	0	0
2	कवर शेड का वृद्धि	Per member	9	4000	36000				
	कुल (ए.1)				90000	0	0	0	0
.2	उपकरण								
2	उपकरण, उपकरण, भारत्तोलन आदि।	Per member	9	2000	18000	0	0	0	0
	कुल (ए.2)				18000	0	0	0	0
	कुल पूंजीगत लागत (ए.1+ए.2)				**108000**	**0**	**0**	**0**	**0**
बी	आवर्ती लागत								
5	केंचुआ बीज	Per Kg	9	500	4500	0	0	0	0
6	गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत	Tons	48	900	43200	45360	47628	50009	52510
7	श्रम लागत	Per ton	24	700	16800	17640	18522	19448	20421
8	पैकिंग सामग्री	No.	5000	2	10000	10500	11025	11576	12155
9	अन्य लागत	Per ton	24	150	3600	3780	3969	4167	4376
सी	अन्य शुल्क								
10	बीमा	L/S			0	0	0	0	0

1 1	ऋण पर ब्याज	Per annum		2 Per cent	3000	3000	3000	3000	3000
	कुल आवर्ती लागत				**81100**	**80280**	**84144**	**88201**	**92461**
	कुल लागत = पूंजी और आवर्ती लागत				**189100**	**80280**	**84144**	**88201**	**92461**
डी	वर्मी कम्पोस्टिंग से आय								
12	वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री	Ton	24	6000	144000	151200	158760	166698	175033
13	केंचुआ की बिक्री					4500	9000	9000	9000
13	कुल राजस्व				144000	155700	167760	175698	184033
13	**शुद्ध लाभ (सी - बी)**				**62900**	**75420**	**83616**	**87496.8**	**91571.6**

नोट - चूंकि एसएचजी सदस्य श्रम कार्य आदि जैसी कुछ गतिविधियाँ करेंगे और उनकी भूमि पर वर्मी कम्पोस्ट पिट स्थापित किया जाएगा, इसलिए, आवर्ती लागत (भूमि का पट्टा, श्रम लागत, अन्य विविध व्यय) को कुल आवर्ती लागत से घटाया जा सकता है।

आर्थिक विश्लेषण

क्रमांक	विवरण	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5	
1	पूंजी लागत	108000	0	0	0	0	
2	आवर्ती लागत	81100	80280	84144	88201	92461	
3	कुल लागत	189100	80280	84144	88201	92461	534186
4	कुल लाभ	144000	155700	167760	175698	184033	827191
5	शुद्ध लाभ	-45100	75420	83616	87497	91572	293004
6	लागत का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	534186					
7	लाभ का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	827191					
8	लाभ लागत अनुपात	1.55					

7. आर्थिक विश्लेषण के परिणाम

- प्रत्येक सदस्य के लिए गड्ढे के आकार की योजना 10X4X2 फीट रखी गई है।
- वर्मी कम्पोस्ट की उत्पादन लागत रु. 3.3 प्रति किलोग्राम
- वर्मी-कम्पोस्ट की बिक्री रु. 6 प्रति किग्रा (काम से काम मूल्य पर)
- शुद्ध लाभ रु. 2.7 प्रति किलोग्राम
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रति वर्ष 2.7 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में एसएचजी के सभी 9 सदस्यों द्वारा 24 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन किया जाएगा।
- केंचुआ की रु 500 प्रति किलोग्राम कीमत रखी गई है
- दूसरे वर्ष के दौरान केंचुए बिक्री के लिए उपलब्ध हों जाएंगे (क्योंकि यह वर्मी-कम्पोस्ट के उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान कई गुना बढ़ जाएंगे)
- वर्मी-कम्पोस्ट बनाना एक लाभदायक आईजीए है और इसे एसएचजी सदस्यों द्वारा लिया जा सकता है।

स्वयं सहायता समूह के सदस्य

12. फंड की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	108000	81000	27000
2	कुल आवर्ती लागत	81100	0	81100
3	प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि /कौशल उन्नयन	50000	50000	0
	कुल =	239100		

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत–** 75 %पूंजीगत लागत परियोजना के द्वारा वहन किया जाएगा
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि /कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

13. फंड के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	75%पूंजीगत लागत परियोजना के द्वारा वहन किया जाएगा (75% अनुसूचित जाती तथा महिलाओं के लिए) (आकार 10ftX4ftX2ft का होगा) एसएचजी बैंक खाते में परिक्रामी के रूप में 1 लाख रुपये जमा किए जाएंगे (बैंक ऋण लेने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए) प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि /कौशल उन्नयन लागत। यदि एसएचजी बैंक से ऋण लेता है तो डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। एसएचजी को मूल राशि की किश्तों का भुगतान नियमित आधार पर करना होगा।	कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा पिट और शेड/पिट और शेड के वृद्धि के लिए सामग्री की खरीद की जाएगी ।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

14. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।
- परियोजना सहायता - डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। SHG/CIG को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा

15. प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि /कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि /कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता वृद्धि /कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह का गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आईजीए (सामान्य) का परिचय
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा - राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

16. निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 70975/-

आवर्ती लागत = 211500/-

मशरूम की खेती के लिए कुल =282475/-

केंचुआ खाद बनाना परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 108000/-

आवर्ती लागत = 81100/-

केंचुआ खाद बनाना परियोजना के लिए कुल = 189100/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 471575/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	मशरूम की खेती	70975	211500	35488	246987	282475
2.	केंचुआ खाद बनाना	108000	81100	81000	108100	189100
	कुल	**178975**	**292600**	**116488**	**355087**	**471575**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (मशरूम और खेती एवं केंचुआ खाद बनाना) द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1	शालु	प्रधान	Sc	24	Shalu
2	रोहिणी	सचिव	Sc	37	Rohini
3	रमा देवी	कोषाध्यक्ष	〃	28	Rama Devi
4	सुमित्रा	सदस्या	〃	36	सुमित्रा देवी
5	लता भारद्वाज	〃	〃	53	Bhardwaj
6	प्रेम लता	〃	〃	69	[illegible]
7	मीरा देवी	〃	〃	43	मीरा देवी
8	नारकली	〃	〃	31	Narkali
9	नर्वदा	〃	〃	44	नर्वदा देवी

हस्ताक्षर Rohini सचिव
प्रधान सचिव स्वयं सहायता समूह
लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
गांव अणुशी, डा० पौड़ाकोठी
तह० निहरी, जिला मण्डी (हि०प्र०)

हस्ताक्षर Shilu सचिव
प्रधान
प्रधान स्वयं सहायता समूह
लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
गांव अणुशी, डा० पौड़ाकोठी
तह० निहरी, जिला मण्डी (हि०प्र०)

Manju
हस्ताक्षर
सचिव, वन ग्रामीण विकास
समिति Village Forest
Development Society

हस्ताक्षर
प्रधान, वन ग्रामीण विकास
समिति Village Forest
Development Society

Avnish Fgol.
Rammanand
हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
Block Forest Officer
वन खण्ड अधिकारी
Block Jaidevi
Forest Range Jaidavi

हस्ताक्षर
Range Forest Officer
Jai Devi वन परिक्षेत्र अधिकारी
Jai Devi, Distt. Mandi (H.P.)

डीएफओ द्वारा स्वीकृत
Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sundernagar (H.P.) - 175018